नरेन्द्र झा

जन्म – अनन्त चतुर्दशी–1934 ई0

जन्म स्थान – तरौनी, दरभंगा

वृत्ति – चार्टर्ड एकाउन्टेंट

कृति – मिथिलाक आर्थिक विकास–2000 ई0, मिथिलाक–जनपदीय विकास–2005 ई0, मिथिलामे जनसंसाधन ओ प्रबंधन–2006 ई0, विकास ओ अर्थतंत्र–2008 ई0, अर्थतंत्र ओ भ्रष्टाचार–2012 ई0, परिभ्रमण–2012 ई0। एकर अतिरिक्त मिथिला मिहिर, मिथिला दर्शन आदि पत्र–पत्रिकामे मिथिलाक उद्योग–धंधा आ अर्थव्यवस्थासँ संबंधित लेख।

□□□

मिथिलांचलक उत्थान

भारतवर्षक उत्तर-पूब भागमे 25,000 वर्गमील क्षेत्रफल ओ 4,39,71,581 (2001क जनगणना) जनसंख्याबला भूभाग मिथिला भूमिक उर्वरा शक्ति, वन, जल, पशु आदि धनमे तथा बुद्धिक तीव्रतामे ककरोसँ न्यून नहि। एहि भूमिक उत्तरमे हिमालय, दक्षिणमे गंगानदी, पूरबमे महानन्दा आ पश्चिममे गंडक नदी अछि। हिमालयसँ गंगा धरि 100 मील ओ पूरबसँ पश्चिम धरि 2.50 मील। ई क्षेत्र 25.3 अंश अक्षांश सँ 27.5 अंश उत्तर अक्षांश धरि एवं 83.80 अंश सँ 88.80 अंश पूर्व देशांतर धरि व्याप्त अछि। सुगौली सन्धिक पूर्व समस्त भूभाग भारतक अधीन छल। शासनमे सुविधा ओ गोरखासँ झंझटिक कारण अंग्रेज सरकार पूरा तराई क्षेत्र 1816 मे गोरखा सरकारकेँ दय देलक। एखन पूर्वी चम्पारण, पश्चिमी चम्पारण, मुजफ्फरपुर; सीतामढ़ी, शिवहर, वैशाली, दरभंगा, मधुबनी, समस्तीपुर, बेगूसराय, किशनगंज, सुपौल, सहरसा, कटिहार, पूर्णिया, अररिया, खगड़िया, मधेपुरा जिला ओ नवगछिया-बीहपुर (उत्तरी भागलपुर), जे मात्र पुलिस जिला अछि, एकर अंग अछि। तराई क्षेत्रक मोरंग, सप्तरी, महोत्तरी, सरलाही, रौटहाट, बारा ओ परसा एहि सन्धिक बाद एकरा क्षेत्रमे नहि अछि। हिमालय संसारक सर्वोच्च पहाड़ एवं सुखकर खनिज द्रव्यक आगार अछि। गंडक ओ महानन्दा जल, पटौनी ओ विद्युतक भंडार अछि। एहिठामक श्रम, भूमि, पर्वत ओ नदीक समस्त उपयोग नहि भेल छैक। यदि तकर उपयोग हो त' कोन एहेन एहिक सुख छैक जाहिसँ हमरा सभ वंचित रहब। भूमिसँ भोजनक हेतु नाना प्रकारक अन्न, तरकारी ओ फल, पहिरय लेल वस्त्रक बांग; पहाड़सँ सड़क, बान्ह ओ मकान बनयबाक हेतु विभिन्न तरहक पाथर; वनसँ काठ ओ नदीसँ माछ तथा खेत पटयबाक लेल जल, पेयजल ओ उद्योग-धंधा, कल-कारखाना, रेलगाड़ी ओ अन्य यातायात आदिक हेतु बिजली अल्प आयासमे एहि अंचलमे संभव छैक। ने लोकक अभाव अछि, ने प्राकृतिक साधनक, अभाव अछि तँ मात्र सुव्यवस्थाक। एहि साधनक समुचित व्यवस्था कोना होयत एहि हेतु हमरा लोकनि त्रुटिबद्ध भ' जाइ।

जनसंख्या कोनो भूभागक सम्पत्ति बुझल जाइछ। जनशक्ति राष्ट्रक पूंजीक द्योतक थिक। मिथिलांचलक जनसंख्यामे 1991क तुलनामे 2001 मे 28.43 प्रतिशत वृद्धि भेल छैक। आजुक सामाजिक, आर्थिक तथा राजनीतिक पुनर्निर्माणक कोनो योजनामे जनाधिक्य समस्या महत्त्वपूर्ण अछि। श्रम शक्तिक समुचित उपयोग नहि भेलासँ जे समस्या उत्पन्न भेल छल तकर निराकरण केन्द्र सरकार आ राज्य सरकार विभिन्न योजनाक अन्तर्गत कय रहल अछि।

मानव सभ्यताक विकासक आरम्भसँ कृषि विशाल जनसंख्याक जीविकाक साधन रहल अछि। वास्तवमे कृषि सभ उद्योगक जननी ओ मानव जीवनक पोषक थिक। कोनो अल्प विकसित भूभाग खाद्यान्नमे आत्मनिर्भरता प्राप्त कयने बिना अपन आर्थिक विकासक कल्पना नहि कय सकैछ। विश्व बैंकक एक रपटक अनुसार बिना कृषि विकासक आर्थिक विकास संभव नहि। मिथिलांचलमं तीन प्रकारक फसिल भदै, अगहनी ओ रब्बी होइछ। धानक खेती 52 प्रतिशत क्षेत्रमे एवं एक एकड़मे उत्पादन 1432 एलबी जे अमेरिकामे 2185 एलबी, चीनमे 2433 एलबी, जापानमे 3444 एलबी ओ इटलीमे 4565 एलबी। गहूमक उत्पादन प्रति एकड़ 625 एलबी जे चीनमे 989 एलबी

अमेरिकामे 1030 एलबी, जापानमे 1713 एलबी ओ मिस्रमे 1918 एलबी। अही गतिसँ अन्य जजाति उपजैत अछि। चायक खेती किशनगंजमे शुरू कयल गेल छैक। नारियल, केरा ओ अनानासक व्यावसायिक खेती आब आरम्भ भेल अछि। एहि अंचलक पछुआयल खेती ओ निम्न उत्पादकताक मुख्य कारण थिक प्राकृतिक प्रकोप, तकनीकी अभाव, आर्थिक ओ संस्थागत असहयोग। भूमि सुधार कानून सेहो असफल सिद्ध भेल। विपणन ओ भंडारणक समुचित व्यवस्थाक अभावक पूर्ति करबाक हेतु कोनो वस्तुक भंडारणक समस्याक समाधानक हेतु सरकार सन्नद्ध बुझि पड़ैछ।

प्राचीन कालमे ई भूभाग आर्थिक दृष्टिसँ स्वावलम्बी छल। प्रत्येक आवश्यक वस्तुक उत्पादन ओ निर्माण एतय होइत छल। समाजक ख़ास वर्ग उद्योग विशेषमे लागल छलाह। हुनकालोकनिक जीवन निर्वाहक वैह साधन छलनि। गृह उद्योग पूर्ण रूपसँ विकसित छल। किन्तु विदेशी शासन कालमे एहि उद्योगकेँ कोनो प्रोत्साहन ओ सुविधा नहि भेटलै। सभटा नष्ट भ' गेलैक। चीनी उद्योगक विकास 1932 मे प्रारम्भ भेल। 17 गोट मिल कार्यरत छल। एहि मिलक प्रतिस्थापन ओ आधुनिकीकरण नहि भ' सकल। सम्प्रति सभ बन्द भय गेल अछि वर्त्तमान सरकार तकरो सुढ़िऐबामे लागल अछि। 1955 मे आधुनिक ढंगक कागज मिल लगायल गेल जकर संख्या ग्यारह भ' गेल, सभ बन्द अछि। एतय जूटकेँ सोनाक रेशा, नामसँ जानल जाइछ। उन्नैसम शताब्दीक अन्तधरि किशनगंज जिलामे हाथ सँ बोरा बुनल जाइत छल। बादमे कटिहारमे आधुनिक जूट मिल बनल जे बन्द अछि। समस्तीपुरमे एक जूट मिल कार्यरत अछि। पटुआक उत्पादन अधिक होइछ जे कलकत्ताक जूट मिलमे जाइछ। एहि उद्योगक विकासक पूर्ण संभावना छैक। 1983मे सहकारिता क्षेत्रमे अत्याधुनिक सूत मिल कार्यरत छल। 1988मे राज्य वस्त्र निगम द्वारा इन्डस्ट्रीयल कॉटन यार्न' प्रोजेक्ट कार्यरत कयल गेल, सम्प्रति बन्द अछि। 1976मे दरभंगामे औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकारक स्थापना भेल। लघु उद्योग विकासक हेतु समस्त क्षेत्रमे औद्योगिक प्रांगण बनल। उद्यमीकेँ भूमि एवं भवन मुहैया कयल गेल। एहिना मुजफ्फरपुरक बेलामे उत्तर बिहार औद्योगिक विकास प्राधिकार बनल। हाजीपुरमे राज्य सरकार सेहो उद्योग लगौलक। मुदा सरकारक औद्योगिक नीतिक कारण औद्योगिक क्षेत्रमे आमूल परिवर्तन होयबाक संभावना अछि। वर्तमान सरकार औद्योगिक प्रगतिक लेल डेग उठा रहल अछि।

राष्ट्रक आर्थिक विकासमे यातायात साधनक विशेष महत्व अछि। मात्र आर्थिक नहि सामाजिक, सांस्कृतिक बौद्धिक दृष्टिकोणसँ एकर महत्व छैक। यदि कृषि एवं उद्योग राष्ट्ररूपी प्राणीक शरीर ओ हड्डी थिक त' यातायात ओकर जीवन तन्तु। एहि अंचलक विकासमे समुचित यातायात व्यवस्था नहि रहलासँ बड़ पैघ असौकर्य भ' रहल छल मुदा विगत एक दशकसँ मिथिलांचलक संग-संग बिहारक समस्याक समाधान करबाक हेतु नेशनल हाइवेज, स्वर्णिम चतुर्भुज योजना, इस्ट एण्ड वेस्ट कोरिडोर योजनाक अंतर्गत मिथिलांचलमे अनेक सड़कक निर्माण भय रहल अछि। प्रत्येक ग्रामकेँ सड़क द्वारा शहरसँ जोड़बाक योजना चलि रहल अछि।

एहिठाम ईशावस्योपनिषत् सहित शतपथ ब्राह्मण, अनेक श्रौत, गुह्य ओ धर्मसूत्र, स्मृति ओ पुराण, जर्मनीक पूर्व मीमांसा, ओ शबरक भाष्य, कपिलक सांख्य, गौतमक न्याय ओ कणादक वैशेषिक दर्शन, कुमारिलक वार्तिक ओ

टीका, वाचस्पतिक भामती, गंगेश-वर्द्धमान-पक्षधर-शंकर-वाचस्पतिक नव्यन्याय एवं अनेको विद्वानक काव्य, निबंध आदि सँ भरल-पुरल साहित्यिक जगत रहल अछि। बिहार सरकार शिक्षाक विकासक लेल प्रतिबद्ध अछि। शिक्षाक प्रति गरीब-गुरबाक ध्यान आकृष्ट करबाक हेतु अनेक प्रकारक योजना चला रहल अछि जेना-पोशाक योजना, साइकिल योजना, छात्रवृत्ति योजना, मध्याह्न भोजन आदि। गरीबक झोपड़ी धरि शिक्षाक दीप जड़य ताहि वास्ते आंगनबाड़ी योजना सेहो सरकार द्वारा चलाओल जा रहल अछि। 40 छात्र पर एक शिक्षकक नियोजन हेतु सरकार प्रयत्नशील अछि। एहि तरहे मिथिलांचल टामे नहि, सम्पूर्ण बिहारमे लाखो शिक्षकक नियोजन कएल जा रहल अछि।

जन स्वास्थ्य क्षेत्रमे प्रखण्ड स्तरसँ जिलास्तर धरि अस्पतालक सुदृढ़ीकरण कयल जा रहल अछि। जे अस्पताल मृतप्राय भऽ गेल छल ताहिमे संजीवनी आबि गेलैक। डाक्टर आ रोगीकेँ भेंट होइत छैक। दवाई भेटैत छैक। असाध्यसँ असाध्य रोगक निदानमे गरीबक सहायता देबाक लेल सरकारी सुविधा सेहो मुहैया कराओल जा रहल छैक।

मिथिलांचल सहित बिहारक विकास पटरी पर आबि रहल अछि। बिजलीमे जौँ पूर्ण सुधार भऽ जाइक तखन बिहारक किसान पंजाब जकाँ सुसम्पन्न भऽ जायत। ओना शिक्षा आ स्वास्थ्य जाहि तरहेँ समृद्धि पाबि रहल अछि, तँ ओ, दिन दूर नहि जे मिथिला पूर्वहि जकाँ श्री सम्पन्न भऽ जाय।

शब्दार्थ

आयास-प्रयास

जजाति-फसिल

असौकर्य-कठिनाई

कंगाल-अत्यन्त गरीब

प्रश्न ओ अभ्यास

वस्तुनिष्ठ प्रश्न-

(i) मानव सभ्यताक विकासक आरम्भसँ लोकक जीविकाक प्रमुख साधन रहल अछि-

(क) कृषि (ख) उद्योग (ग) नौकरी (घ) माछक व्यापार

(ii) मिथिलामे चीनी उद्योगक विकास प्रारम्भ भेल-

(क) 1932 ई0 (ख) 1942 ई0 (ग) 1950 ई0 (घ) 2012 ई0

(iii) मिथिलामे आधुनिक ढंगक कागज मिल लगाओल गेल-

(क) 1955 ई0मे (ख) 1960 ई0मे (ग) 1972 ई0मे (घ) 1980 ई0मे

(iv) दरभंगामे औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकारक स्थापना भेल -

(क) 1976 (ख) 1990 (ग) 2000 (घ) 2013

2. **रिक्त स्थानक पूर्ति करू :-**

(i) सुगौली सन्धिक पूर्व समस्त.....भारतक अधीन छल।

(ii) जनसंख्या कोनो भूभागक सम्पत्ति.....जाइछ।

(iii) राष्ट्रक आर्थिक विकासमे.....साधनक विशेष रहल अछि।

(iv) हमर प्राचीन बड्ड.....छल।

3. **निम्नलिखित शब्दमे सँ सही शब्दमे सहीक (✓) आ अशुद्ध शब्दमे गलतक (X)चेन्ह लगाउ-**

उजवन, अधोगति, सम्पती, समूचित, आर्थिक, जनशक्ति, याज्ञवल्क्य।

4. **लघूत्तरीय प्रश्न-**

(i) पाठक आधार पर मिथिलांचलक चौहद्दी लिखू।

(ii) 2001 मे मिथिलाक जनसंख्यामे कतेक प्रतिशत वृद्धि भेल?

(iii) मिथिलामे कतेक तरहक फसिल होइछ? किछु फसिलक नाम लिखू।

(iv) 1932 मे मिथिलामे कतेक गोट चीनी मिल कार्यरत छल?

5. **दीर्घोत्तरीय प्रश्न-**

(i) प्रारंभमे मिथिलामे कतेक तरहक मिल वा उद्योगक स्थापना भेल छल?

(ii) शिक्षाक क्षेत्रमे मिथिलाक प्राचीन काल केहन छल? वर्णन करू।

6. **पाठमे आयल संज्ञा शब्द चुनि कऽ लिखू।**

7. **गतिविधि-**

(i) मिथिलाक आर्थिक उन्नतिक लेल की सब आवश्यक अछि?

(ii) अहाँ अपन गामक आर्थिक उन्नतिक लेल की सब आवश्यक कार्य बुझैत छी।

दिशा निर्देश

1. शिक्षकसँ आग्रह जे मिथिलाक आर्थिक उन्नति लेल की आवश्यक कार्य अछि? छात्रकेँ विस्तारसँ बुझाबथि।